भोक्ताओं के लिए चीनी के मूल्य को उचित स्तर पर बनाए रखा जा सके तथा चीनी उत्पादक भी गन्ना उत्पादकों को लाभकारी मूल्य अदा करने में समर्थ हो सकें । चीनी के मूल्यों में उतार-चढ़ाव में मुख्यत: मांग व पूर्ति के कारक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं ।

(ख) पिछले तथा चालू 1993-94 चीनी मौसम में चीनी के उत्पादन में गिरावट आने से चीनी की कम उपलब्धता के कारण मार्च, 1994 की तुलना में अप्रैल, 1994 में चीनी के कोटे में कमी की गई है ।

(ग) 1993-94 मौसम के दौरान उत्पादन में संभावित कमी को ध्यान में रखते हुए तथा देश में चीनी के मूल्यों को नियंत्रण में रखने के लिए खुले सामान्य लाइसेंस (ओ. जी. एल.) के तहत चीनी का आयात करने की मंजूरी देने का निर्णय लिया गया है । ऐसे आयात पर कोई सीमा शुल्क तथा अतिरिक्त सीमा शुल्क नहीं लगाया जाएगा । आशा की जाती है कि इससे चीनी की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने तथा खुले बाजार में चीनी के मूल्यों को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी ।

केन्द्रीय पूल के लिए राज्यों से पाम-आयल की खरीद

5070. **श्री गोपालसिंह जी. सोलंकी** : क्या खाद्य मंत्री 4 मार्च, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं. 1598 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91, 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के वर्षों के दौरान केन्द्रीय पूल के लिए पाम-आयल की खरीद में राज्यों के हिस्से से संबंधित आंकड़ों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उपर्युक्त अवधि में केन्द्रीय पूल से राज्यों को पाम-आयल के पृथक-पृथक वितरण संबंधी वार्षिक आंकड़ों का गुजरात सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) 1994-95 के वर्ष के लिए गुजरात सहित अन्य प्रत्येक राज्य से खरीद के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ङ) किन-किन राज्यों ने अतिरिक्त पाम-आयल की मांग की है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) देश में केन्द्रीय पूल के लिए पामोलीन सहित किसी प्रकार के खाद्य तेल की वसूली नहीं की जाती है । सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए केवल विदेशों से आयातित खाद्य तेलों का वितरण किया जाता है ।

(ख) एक विवरण संलग्न है जिसमें 1990-91 से 1993-94 (मार्च तक) तक के तेल वर्षों (नवम्बर—अक्तूबर) के दौरान आयातित तेलों के आवंटन और उठान की राज्य-वार स्थिति दी गई है **(नीचे देखिए)**

(ग) और (घ) प्रश्न ही नहीं उठते ।

(ङ) इस समय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को खाद्य तेलों का नियमित रूप से आवंटन नहीं किया जा रहा है क्योंकि खुले बाजार में स्वदेशी तेल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और आयातित पामोलीन की कोई देशव्यापी मांग नहीं है । तथापि, यदि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से कोई मांग प्राप्त होती है तो उस मांग के प्रति उन्हें तदर्थ आवंटन किए जाते हैं ।

विवरण

(i) 1990-91 और 1991-92 के तेल वर्षों (नवम्बर से अक्तूबर) के लिए खाद्य तेलों राज्यवार आबंटन और उठान

(मात्रा मीटरी टन में)

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	1990–91		1991–92	
		आबंटन	उठान	आबंटन	उठान
1	2	3	4	5	6
1.	आंध्र प्रदेश	9360	9875	11600	8837
2.	अरुणाचल प्रदेश	200	82	350	97
3.	असम	950	600	900	290
4.	बिहार	5000	3662	6000	1630
5.	गोवा	2500	1703	2145	1496
6.	गुजरात	15800	18797	8650	9105
7.	हरियाणा	2500	2566	2400	1507
8.	हिमाचल प्रदेश	3550	3709	2900	2623
9.	जम्मू और कश्मीर	2275	2298	2600	932
10.	कर्नाटक	9460	9200	11100	8718
11.	केरल	8560	8566	8000	7374
12.	मध्य प्रदेश	9700	9761	5800	1651
13.	महाराष्ट्र	22600	23705	12000	13482
14.	मणिपुर	900	700	1263	906
15.	मेघालय	1000	998	1100	668
16.	मिजोरम	1700	711	1100	799
17.	नागालैण्ड	2600	1780	1400	1451
18.	उड़ीसा	6920	6485	5500	6499
19.	पंजाब	3100	3358	2800	1134
20.	राजस्थान	3940	2898	3300	834
21.	सिक्किम	650	422	600	380
22.	तमिलनाडु	9075	12724	6000	3678
23.	त्रिपुरा	800	1752	850	395
24.	उत्तर प्रदेश	7500	4587	6000	578
25.	पश्चिम बंगाल	13100	18501	4500	2800
26.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	900	600	800	663
27.	चंडीगढ़	400	484	400	123
28.	दादर और नगर हवेली	290	235	250	250
29.	दिल्ली	7000	7324	6500	5029
30.	दमन और दीव	460	365	450	450
31.	लक्षद्वीप	265	165	300	230
32.	पांडिचेरी	1150	1396	1550	1082
	जोड़	**154205**	**160009**	**119108**	**85691**

(ii) तेल वर्ष 1992–93 (नवम्बर, 92 से अक्तूबर 93) और तेलों वर्ष 1993–94 (नवम्बर, 93 से मार्च 94) के लिए खाद्य तेलों का राज्यवार आबंटन और उठान

(मात्रा मीटरी टन में)

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	1992–93		1993–94*	
		आबंटन	उठान	आबंटन	उठान
1	2	3	4	5	6
1.	आंध्र प्रदेश	4494	6351	5500	4600
2.	अरुणाचल प्रदेश	203	50	—	10
3.	असम	300	650	—	30
4.	बिहार	364	50	—	—
5.	गोवा	875	287	750	758
6.	गुजरात	4000	2000	4000	4500
7.	हरियाणा	500	39	—	18
8.	हिमाचल प्रदेश	400	398	400	667
9.	जम्मू और कश्मीर	500	—	—	—
10.	कर्नाटक	4700	3119	1500	893
11.	केरल	9877	5548	3000	3762
12.	मध्य प्रदेश	—	—	—	65
13.	महाराष्ट्र	5100	2422	—	2150
14.	मणिपुर	298	20	—	200
15.	मेघालय	300	6	—	53
16.	मिजोरम	400	200	—	100
17.	नागालैण्ड	552	382	—	154
18.	उड़ीसा	1000	—	—	—
19.	पंजाब	—	—	—	—
20.	राजस्थान	700	—	700	130
21.	सिक्किम	835	345	—	110
22.	तमिलनाडु	4863	3159	—	—
23.	त्रिपुरा	200	—	—	—
24.	उत्तर प्रदेश	1200	—	—	—
25.	पश्चिम बंगाल	4167	573	—	1586
26.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	200	205	—	—

*आबंटन और उठान मार्च, 1994 तक के हैं।

1	2	3	4	5	6
27.	चण्डीगढ़	100	—	—	—
28.	दादर और नगर हवेली	100	50	50	90
29.	दिल्ली	3329	1244	2000	878
30.	दमन	100	51	100	98
31.	द्वीव	100	50	50	70
32.	लक्षद्वीप	300	243	125	139
33.	पांडिचेरी	725	659	—	208
	जोड़	50882	27831	18175	21269

*आवंटन और उठान मार्च, 1994 तक के हैं ।

Permission sought by FCI for Exports

5071. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of FOOD be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Food Corporation of India has submitted a proposal to Government seeking permission to enter the export market ; and

(b) if so, what are the details of the proposal and Government's reaction in repect thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI) : (a) Food Corporation of India was asked to submit a Note regarding possibility of export of wheat and rice from the Central Pool in view of the comfortable stock position Accordingly. FCI has submitted a Note indicating their assesment of the prospects of export of wheat and rice by the FCI. However, have not submitted and proposal seeking permission to enter the export market.

(b) Does not arise.

गुजरात में चीनी मिलों का बंद होना

5072. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आज की तारीख तक गुजरात में कौन-कौन सी तथा कितनी चीनी मिलें बंद पड़ी हैं;

(ख) उनके बंद होने के क्या कारण हैं;

(ग) इन मिलों को पुन: चालू करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या इन बंद पड़ी चीनी मिलों को सहकारी समितियों द्वारा चलाने के संबंध में कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) गुजरात राज्य में चालू चीनी मौसम के दौरान आज की तारीख तक निम्नलिखित चार चीनी मिलों ने उत्पादन की सूचना नहीं भेजी है :—

(1) श्री सरदार वल्लभभाई पटेल के. यू. सी. एस. लि., धोराजी, जिला राजकोट . . . . . .

(2) सिद्धेश्वर के. यू. एस. एम. लि. तलजा, जिला भावनगर

(3) श्री उना तालुका खेदुत एस. के. यू. एम. लि. ऊना, जिला जूनागढ़

(4) चरोतर एस. के. यू. लि., पलाज, तालुक पेटलाड, जिला कैरा

(ख) धोराजी तथा तलजा में स्थित चीनी मिलें बहुत समय से बंद पड़ी हैं ।